Naidunia (Indore), 07th April 2026, Page – 03

आवेदन मंगवाए

यूजी-पीजी के विद्यार्थी कर सकेंगे फैकल्टी मेंटर का चयन, दो महीने चलेगी रिसर्च

आइआइटी इंदौर से रिसर्च करने के लिए रखी समर इंटर्नशिप

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी इंदौर) ने रिसर्च और प्रैक्टिकल अनुभव लेने के इच्छुक छात्रों के लिए समर इंटर्नशिप रखी है। यह इंटर्नशिप प्रोग्राम खासतौर पर उन यूजी (अंडरग्रेजुएट) और पीजी (पोस्टग्रेजुएट) छात्रों के लिए फायदेमंद है, जो अपने करियर को रिसर्च और टेक्नोलाजी के क्षेत्र में आगे बढ़ाना चाहते हैं। इंटर्नशिप की सबसे खास बात यह है कि छात्र अपनी रुचि के हिसाब से फैकल्टी मेंटर का चयन कर सकते हैं। इससे उन्हें सीधे अनुभवी प्रोफेसरों के साथ काम करने और वास्तविक प्रोजेक्ट्स पर सीखने का मौका मिलेगा।

इंटर्नशिप की अवधि कम से कम एक महीना और अधिकतम दो महीने रखी गई है, जिसे मेंटर की सहमति से तय किया जाएगा। विद्यार्थियों से 20 अप्रैल तक आवेदन मंगवाए गए हैं। संस्थान ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। शाम 5 बजे तक आवेदन लिंक बंद कर दी जाएगी। आइआइटी इंदौर के मुताबिक इंटर्नशिप 16 मई से 19 जुलाई तक चलेगी। इंटर्नशिप करने को लेकर आइआइटी इंदौर ने नियम व गाइडलाइन जारी कर दी, जिसमें योग्यता पर विशेष तौर से जोर दिया गया है। पीजी छात्रों के लिए किसी मान्यता प्राप्त संस्थान व विश्वविद्यालय में पढ़ाई के साथ कम से कम 60 प्रतिशत अंक या फर्स्ट डिवीजन होना जरूरी है। वहीं यूजी छात्रों के लिए 12वीं में 60 प्रतिशत अंक और वर्तमान सीजीपीए भी फर्स्ट डिवीजन के बराबर होना चाहिए। फीस संरचना भी तय कर दी गई है। यूजी छात्रों के लिए 3000 रुपये प्रतिमाह और पीजी छात्रों के लिए 5000 रुपये प्रतिमाह फीस रखी गई है। चयनित छात्रों को इंटर्नशिप शुरू होने से पहले भुगतान करना होगा।

होस्टल की सुविधा भी

आइआइटी इंदौर ने इंटर्नशिप करने वाले विद्यार्थियों के लिए ठहरने की व्यवस्था की है। परिसर में बने होस्टल में विद्यार्थी रह सकते हैं। मेस सुविधा भी रखी गई है। अधिकारियों के मुताबिक होस्टल में निर्धारित सीटें रखी गई हैं। आवेदन के दौरान ही होस्टल व मेस के बारे में भी विद्यार्थियों को बताना होगा।